भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खण्डवा रोड, इन्दौर–452001
Khandwa Road, Indore-452001

फाइल नं. **F.No. :** टेक **10-6/2019** दिनांक **Date: 05.08.2019**

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / **Advisory for Soybean Farmers**

(5 से 12 अगस्त 2019 / **5 to 12 August 2019)**

1. सोयाबीन में एन्थ्रेकनोज, एरियल ब्लाईट एवं चारकोल रॉट बीमारी यदि हो तो टेबूकोनाझोल 625 मि.ली./हे. अथवा टेबूकोनाझोल + सल्फर 1 कि.ग्रा./हे अथवा हेक्झाकोनाझोल 500 मि.ली./हे. अथवा पायरोक्लोस्ट्रोबिन 500 ग्रा./हे. को 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
2. जिन स्थानों पर सोयाबीन की बौवनी देर से हुई है एवं 20–25 दिन की फसल पर इल्लियों का प्रकोप प्रारंभ हुआ है वहां क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. 150 मि.ली./है. की दर से छिड़काव करने पर लम्बी अवधि तक इल्लियों का प्रकोप कम किया जा सकता है।
3. बाद की अवस्था में पत्ती खाने वाली इल्लियों के प्रबंधन हेतु निम्न में से किसी एक अनुशंसित कीटनाशक का छिड़काव करने की अनुशंसा हैः– क्वीनॉलफॉस 25 ईसी (1500 मि.ली./है.) अथवा इन्डोक्साकार्ब 14.5 एससी (300 मि.ली./है.) अथवा फ्लूबेन्डीयामाईड 39.35 एससी (150 मि.ली./है.) अथवा फ्लूबेन्डीयामाईड 20 डब्ल्यूजी (250 से 300 मि.ली./है.) अथवा स्पायनोटेरम 11.7 एससी (450 मि.ली./है.)।
4. सोयाबीन की फसल में पत्ती खाने वाली इल्लियों के साथ सफेद मक्खी का प्रकोप होने पर पूर्व मिश्रित कीटनाशक बीटासायफ्लूथ्रीन + इमिडाक्लोप्रीड 350 मि.ली/है. अथवा थायमिथॉक्सम + लेम्बडा सायहेलोथ्रीन 125 मि.ली/है. की दर से छिड़काव करें। इस उपाय से तना मक्खी का भी नियंत्रण होगा।
5. जिन स्थानों पर गर्डल बीटल का प्रकोप शुरू हो गया हो वहां पर थाइक्लोप्रीड 21.7 एस.सी. 650 मि.ली./है. अथवा प्रोफेनोफॉस 50 ईसी (1.25 ली/है.) या ट्रायझोफॉस 40 ई.सी. (800 मि.ली./है.) की दर से छिड़काव करें।
6. पीला मोजाइक बीमारी को फैलाने वाली सफेद मक्खी के प्रबंधन के लिए खेत में यलो स्टीकी ट्रैप का प्रयोग करें जिससे मक्खी के वयस्क नष्ट किये जा सके। साथ ही पीला मोजाइक रोग से ग्रसित पौधों/अवशेषों को खेत से निकालकर नष्ट कर दें। रोग की तीव्रता अधिक होने पर थायोमिथाक्सम 25 डब्ल्यूजी (100 ग्रा./500 लीटर पानी) का छिड़काव करें।
7. कृषकों को सलाह है कि सोयाबीन की फसल में प्रकाश जाल / फिरोमोन ट्रेप लगाएं जिससे प्रकोप करने वाले कीटों की स्थिति की जानकारी के साथ–साथ उनका प्रबंधन करने में सहायता मिलें।
8. बीज उत्पादन के लिए उगाई जाने वाली सोयाबीन की फसल में अन्य किस्मों के पौधों को निकाल दें जिससे बीज की शुद्धता बनी रहें।
9. लगातार होने वाली वर्षा के कारण जलभराव की स्थिति होने पर अतिरिक्त पानी के निकास हेतु नालियों की व्यवस्था करें।
10. सोयाबीन फसल में चूहों से नुकसान की जानकारी भी प्राप्त हो रही है। चूहों के प्रबंधन हेतु आटे / ज्वार के बीज को झिंक फास्फाईड पाउडर के साथ मिलाकर अथवा बाजार में उपलब्ध एन्टी–कोआगुलेन्ट बिस्किट का उपयोग करें।

1. If soybean infested with Anthracnose, Aerial Blight and Charcoal rot spray the crop with Tebuconazole @ 625 ml/ha or Tebuconazole + Sulphur 1 kg/ha or Hexaconazole @ 500 ml/ha or Pyroclostrobin @ 500 g/ha with the use of 500 litre of water.

2. In those areas where sowing was delayed and the crop of 20-25 days is being infested with defoliating larvae, the crop should be sprayed with Chlorentraniliprole 18.5 SC @ 150 ml/ha.
3. For management of defoliators spray the crop with any one of the following insecticides:- Quinalphos 25 EC @ 1.5 lit/ha, Indoxacarb 14.5 SC @ 300 ml/ha, Fluebendiamide 39.35 SC @ 150 ml/ha or Fluebendiamide 20 WG @ 250-300 ml/ha or Spinetoram 11.7 SC @ 450 ml/ha.
4. For management of defoliators and white fly spray pre-mixed insecticides like Betacyfluthrin + Imidacloprid @ 350 ml/ha or Thimethoxam + Lembda cyhelothrin @ 125 ml/ha. This will also help in control of stem fly.
5. For management of Girdle beetle, spray the crop with Thicloprid 21.7 SC @ 650 ml/ha, Profenophos 50 EC @ 1.25 lit/ha or Triazophos 40 EC @ 800 ml/ha.
6. For management of White fly adults (vector for YMV) it is advised to install Yellow Sticky Traps in the soybean fields as well as destruction of affected plants/part. In case of severity, farmers are also advised to spray the crop with Thiamethoxam 25WG @ 100 g/500 litre water/ha immediately after the symptoms are visible.
7. Farmers are advised to install Light Trap / Insects specific Pheromone Trap in order to assess the likely infestation of insects and for integrated pest management.
8. For maintaining the purity of seed, farmers are advised for roughing of plants of other varieties in seed production programme.
9. It is advised to make drainage of excess rainwater due to continuous rains in order to avoid water logging situation.
10. Crop damage due to field Rats has been reported. For management of Rats, use Zinc Phosphide powder mixed with wheat flour / Jawar seeds or commercially available anti-coagulant biscuits.